दिनांक 22.06.2026 को भारत सरकार द्वारा संचालित जल जीवन मिशन के अन्तर्गत जनपद उन्नाव में प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा हेतु आहूत बैठक का कार्यवृत्त

–:– उपस्थिति –:–

1. श्री अजीत कुमार सिंह, अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), उन्नाव।
2. श्री सत्येन्द्र कुमार, सहायक अभियन्ता (SWSM), खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), उन्नाव।
3. श्री धनन्जय कुमार, डिप्टी टीम लीडर, सेन्सिस टेक्नो लि0 (टी.पी.आई.), उन्नाव।
4. श्री रवि कान्त द्विवेदी, डिप्टी जनरल मैनेजर, कार्यदायी फर्म मेसर्स मेघा इंजीनियर्स एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0, लखनऊ।
5. श्री श्याम, प्रोजेक्ट मैनेजर, कार्यदायी फर्म मेसर्स मेघा इंजीनियर्स एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0, लखनऊ।
6. श्री सरवन, प्रोजेक्ट मैनेजर, कार्यदायी फर्म मेसर्स मेघा इंजीनियर्स एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0, लखनऊ।

भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जल जीवन मिशन (फेज–IV) के अन्तर्गत जनपद उन्नाव में सतही स्रोत आधारित पेयजल योजना के निर्माण कार्य प्रस्तावित है, जिसके कार्य क्लस्टर– ए एवं बी में कराये जाने हैं। जिस हेतु राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ द्वारा निविदा प्रकिया पूर्ण कर कार्यदायी फर्म मेसर्स मेघा इंजीनियर्स एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0, सेक्टर–सी–2, प्लाट नं0– 177, सुशान्त गोल्फ सिटी, अन्सल ए.पी.आई., निकट लुलु मॉल, लखनऊ को नामित किया गया है। उक्त योजना से सम्बन्धित निम्नलिखित बिन्दुओं पर समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट स्थित अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में दिनांक 22.06.2026 को सम्पन्न हुई:–

1. जल जीवन मिशन योजना (फेज–IV) के अन्तर्गत भूमि उपलब्धता के सापेक्ष भूमि चिन्हांकन की अद्यतन स्थिति।
2. जल जीवन मिशन योजना (फेज– IV) के अन्तर्गत जनपद उन्नाव मे प्रस्तावित कार्यो पर प्रगति की समीक्षा।
3. जल जीवन मिशन योजना (फेज–IV) के अन्तर्गत पाइप लाइन बिछाये जाने हेतु खोदी गयी सड़कों की पुनर्स्थापना के कार्यों की समीक्षा।

1. **जल जीवन मिशन योजना (फेज–4) के अन्तर्गत भूमि उपलब्धता के सापेक्ष भूमि चिन्हांकन की अद्यतन स्थिति:–** उक्त के सम्बन्ध में अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), उन्नाव द्वारा अवगत कराया गया जनपद में शिरोपरि जलाशय (OHT) एवं भूमिगत जलाशय (CWR) निर्माण हेतु उपलब्ध कुल भूमि 471 नग के सापेक्ष समस्त वांछित भूमि का चिन्हांकन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

क0सं0	तहसील का नाम	प्रस्तावित भूमि	चिन्हित स्थल	अवशेष स्थल
1	सदर	94	94	0
2	बांगरमऊ	55	55	0
3	सफीपुर	42	42	0
4	हसनगंज	127	127	0
5	बीधापुर	65	65	0
6	पुरवा	89	89	0
	योग	471	471	0

जल जीवन मिशन योजना (फेज–4) के अन्तर्गत जनपद उन्नाव मे प्रस्तावित कार्यों पर प्रगति की समीक्षा:–

- **इनटेकवेल**– अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि योजनान्तर्गत जनपद कानपुर नगर के ग्राम कटरी शंकरपुर सराय में निर्माणाधीन 359 एम.एल.डी. क्षमता के इन्टेकवेल के कार्य लगभग 74.90 प्रतिशत तक पूर्ण कर लिये गये हैं, शेष कार्य प्रगति पर हैं। योजनान्तर्गत प्रस्तावित 345 मीटर बाउन्ड्रीवाल के कार्यों के सापेक्ष लगभग 195 मीटर बाउन्ड्रीवाल का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। फर्म द्वारा वर्तमान में कार्यस्थल पर 50 श्रमिकों के सापेक्ष 07 श्रमिक तैनात किये गये हैं। उक्त के अतिरिक्त राजस्व विभाग कानपुर एवं सहायक अभिलेख अधिकारी द्वारा एप्रोच रोड का चिन्हांकन कर लिया गया है जिसे तत्काल बाउन्ड्री कर अपने स्वामित्व में कर लेने का कार्य शीघ्र पूर्ण किये जाने हेतु अधोहस्ताक्षरी द्वारा डिप्टी जनरल मैनेजर श्री रवि कान्त द्विवेदी को निर्देशित किया गया कि कार्यस्थल पर कार्यों को समय से पूर्ण किये जाने हेतु अधिक से अधिक श्रमिक तैनात करते हुये कार्यों में गतिशीलता लायें जिससे कि योजनान्तर्गत प्रस्तावित कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराते हुये योजना का जनोपयोगी बनाया जा सके।
- **डब्ल्यू.टी.पी. ए (क्षमता–170 एम.एल.डी.)**– अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि उन्नाव सतही स्रोत आधारित योजना के अन्तर्गत डब्ल्यू.टी.पी. ए का निर्माण कार्य गंगा बैराज (लवकुश बैराज) परियोजना में बांये गाईड बन्ध से लगभग 200 मी0 की दूरी पर जनपद कानपुर नगर की तहसील कानपुर सदर के अन्तर्गत ग्राम कटरी शंकरपुर सराय में किया जा रहा है, डब्ल्यू.टी.पी. क्लस्टर–ए के कार्यों की प्रगति कार्यदायी फर्म की लचर कार्यप्रणाली के कारण वर्तमान तक मात्र 58.29 प्रतिशत प्राप्त हो सकी है, फर्म द्वारा वर्तमान में कार्यस्थल पर 250 श्रमिकों के सापेक्ष 62 श्रमिक तैनात किये गये हैं। जिसके लिये कार्यदायी फर्म के प्रतिनिधि डिप्टी जनरल मैनेजर श्री रवि कान्त द्विवेदी को निर्देशित किया गया कि कार्यस्थल पर कार्यों को समय से पूर्ण किये जाने हेतु अधिक से अधिक श्रमिक तैनात करते हुये कार्यों में गतिशीलता लायें जिससे कि योजनान्तर्गत प्रस्तावित कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराते हुये योजना का जनोपयोगी बनाया जा सके।

- **डब्ल्यू.टी.पी. बी (क्षमता–130 एम.एल.डी.)–** अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि उन्नाव सतही स्रोत आधारित योजना के अन्तर्गत डब्ल्यू.टी.पी. बी का निर्माण कार्य जनपद के विकास खण्ड बिछिया के ग्राम कोरारी कला में कराया जा रहा है तथा डब्ल्यू.टी.पी. क्लस्टर–बी के कार्यों की प्रगति कार्यदायी फर्म की लचर कार्यप्रणाली के कारण वर्तमान तक मात्र 61.30 प्रतिशत प्राप्त हो सकी है, फर्म द्वारा वर्तमान में कार्यस्थल पर 250 श्रमिकों के सापेक्ष 21 श्रमिक तैनात किये गये हैं। जिसके लिये कार्यदायी फर्म के प्रतिनिधि डिप्टी जनरल मैनेजर श्री रवि कान्त द्विवेदी को निर्देशित किया गया कि कार्यस्थल पर कार्यों को समय से पूर्ण किये जाने हेतु अधिक से अधिक श्रमिक तैनात करते हुये कार्यों में गतिशीलता लायें जिससे कि योजनान्तर्गत प्रस्तावित कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराते हुये योजना का जनोपयोगी बनाया जा सके।
- **भूमिगत जलाशय (CWR):–** अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि उन्नाव सतही स्रोत आधारित योजना के क्लस्टर–ए के अन्तर्गत 27 नग तथा क्लस्टर–बी के अन्तर्गत 26 नग इस प्रकार कुल 53 नग भूमिगत जलाशयों (CWR) का निर्माण कराया जाना है, जिसके सापेक्ष भूमि चिन्हांकन का कार्य पूर्ण करा लिया गया है एवं क्लस्टर– ए के अन्तर्गत प्रस्तावित 27 नग भूमिगत जलाशय (CWR) के सापेक्ष 24 नग भूमिगत जलाशय (CWR) तथा क्लस्टर– बी के अन्तर्गत प्रस्तावित समस्त 26 नग भूमिगत जलाशय (CWR) के निर्माण कार्य प्रारम्भ कराये गये थे, जिसका विवरण निम्नानुसार है:–

Work Progress	Cluster- A (Scope- 27 Nos. CWR)		Cluster- B (Scope- 26Nos. CWR)	
	Total	Balance	Total	Balance
Excavation Progress	24	3	26	0
PCC Progress	16	11	22	4
Raft Progress	12	15	18	8
Vertival Wall	3	24	5	21
0% to 25%	22	5	23	3
26% to 50%	0	27	2	24
51% to 75%	2	25	1	25
76% to 100%	0	27	0	26
Complete	0	27	0	26

परन्तु विगत 06 माह से मात्र 04 नग भूमिगत जलाशय (CWR) पर फर्म द्वारा कार्य कराये जा रहे थे, 13 नग भूमिगत जलाशय (CWR) पर विगत 01 माह पूर्व कार्य प्रारम्भ किया गया है, शेष 37 नग भूमिगत जलाशयों (CWR) पर निर्माण कार्य फर्म द्वारा पूर्णतः बन्द कर दिया गया है। जबकि 03 नग भूमिगत जलाशयों (CWR) पर निर्माण कार्य प्रारम्भ नहीं किये गये। उक्त के सम्बन्ध में कार्यदायी फर्म के प्रतिनिधि श्री रवि कान्त द्विवेदी को निर्देश दिये गये कि समस्त भूमिगत जलाशयों (CWR) पर निर्माण कार्य यथाशीघ्र प्रारम्भ करायें।

- **शिरोपरि जलाशय (OHT):–** अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि उन्नाव सतही स्रोत आधारित योजना के क्लस्टर–ए के अन्तर्गत 239 नग तथा क्लस्टर–बी के अन्तर्गत 203 नग इस प्रकार कुल 442 नग शिरोपरि जलाशयों (CWR) का निर्माण कराया जाना है, जिसके सापेक्ष शत–प्रतिशत चिन्हांकन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा क्लस्टर–ए के अन्तर्गत 210 नग OHT Structures तथा क्लस्टर–बी के अन्तर्गत 188 नग OHT Structures पर कुल 398 नग OHT Structures पर फर्म द्वारा निर्माण कार्य प्रारम्भ कराया गया था, जिसका विवरण निम्नानुसार है:–

Work Progress	Cluster- A (Scope- 239 Nos. OHT)		Cluster- B (Scope- 203 Nos. OHT)	
	Total	Balance	Total	Balance
Excavation Progress	210	29	188	17
PCC Progress	200	39	176	29
Raft Progress	166	73	146	59
Column Up to GL Progress	155	84	136	69
0% to 25%	155	84	139	66
26% to 50%	51	188	48	157
51% to 75%	3	236	1	204
76% to 100%	1	238	0	205
Complete	0	139	0	205

परन्तु विगत 06 माह से मात्र 07 नग शिरोपरि जलाशयों (OHT) पर फर्म द्वारा कार्य कराये जा रहे थे, 48 नग शिरोपरि जलाशय (OHT) पर विगत 01 माह पूर्व कार्य प्रारम्भ कराया गया है, शेष 350 नग भूमिगत जलाशयों (OHT) पर निर्माण कार्य फर्म द्वारा पूर्णतः बन्द कर दिया गया है। जबकि 46 नग शिरोपरि जलाशयों (OHT) पर निर्माण कार्य प्रारम्भ नहीं किये गये। उक्त के सम्बन्ध में कार्यदायी फर्म के प्रतिनिधि श्री रवि कान्त द्विवेदी को निर्देश दिये गये कि आगामी 15 दिवसों में उक्त के अतिरिक्त अन्य 10 नग शिरोपरि जलाशयों (OHT) पर निर्माण कार्य यथाशीघ्र प्रारम्भ करायें।

➢ **वितरण प्रणाली, पेयजल गृह संयोजनः**– उक्त के सम्बन्ध में अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), उन्नाव द्वारा अवगत कराया गया कि कार्यदायी फर्म मेसर्स मेघा इंजीनियर्स एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0, लखनऊ द्वारा क्लस्टर ए एवं बी में आवंटित कुल 1673 राजस्व ग्रामों में पाइप लाइन बिछाने हेतु सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है एवं प्रस्तावित पाइप लाइन बिछाये जाने के कार्यों की प्रगति निम्नानुसार हैः–

क्रम सं.	Cluster	प्रस्तावित पाइप लाइन (in KM)	बिछायी गयी पाइप लाइन (Pipe laying Length in KM)	% of Pipe laying
1	2	3	4	5
1	Cluster-A	6862.56	3593.17	52.36%
2	Cluster-B	5990.45	3404.93	56.84%
	Total	12853.01	6998.10	54.45%

क्लस्टर–ए के अन्तर्गत 757 राजस्व ग्रामों में कार्यों को प्रारम्भ कराते हुये लगभग 3593.17 किमी. वितरण प्रणाली एवं 29773 नग पेयजल गृह संयोजन करा दिये गये हैं, शेष कार्य प्रगति पर हैं। क्लस्टर–बी के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्यों में से 570 राजस्व ग्रामों में कार्यों को प्रारम्भ कराते हुये लगभग 3404.93 किमी. वितरण प्रणाली एवं 42947 नग पेयजल गृह संयोजन करा दिये गये हैं, शेष कार्य प्रगति पर हैं। इस प्रकार 1327 राजस्व ग्रामों में कार्यों को प्रारम्भ कराते हुये कुल 6998.10 किमी. वितरण प्रणाली एवं 72720 नग पेयजल गृह संयोजन उपलब्ध कराये जा चुके हैं, शेष कार्य प्रगति पर हैं। एफ.एच.टी.सी. कार्यों की धीमी प्रगति के सम्बन्ध में कार्यदायी फर्म के प्रतिनिधि श्री रवि कान्त द्विवेदी द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में पाइप लाइन बिछाये जाने का कार्यों के साथ खोदी गयी सड़कों की पुनर्स्थापना का कार्य प्राथमिकता पर कराया जा रहा है तथा पाइप लाइन कार्यों की प्रगति बढ़ाये जाने हेतु अगले माह से पाइप लाइन बिछाये जाने हेतु अतिरिक्त श्रमिक कार्यस्थल पर तैनात करते हुये कार्यों को प्रारम्भ करा दिया जायेगा। जिसके सम्बन्ध में अधोहस्ताक्षरी द्वारा कार्यदायी फर्म के प्रतिनिधि श्री रवि कान्त द्विवेदी को निर्देशित किया गया कि कार्यों को द्रुत गति से अवशेष 268 राजस्व ग्रामों में पाइप बिछाये जाने एवं अन्य तत्सम्बन्धी कार्य करवाते हुए FHTC को शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य 33.00 प्रतिशत को शीघ्र प्राप्त करना सुनिश्चित करे। जिस पर अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि सी0एम0 डैशबोर्ड पर ग्रेड में सुधार हेतु जनपद में कुल 35910 नग FHTC की फीडिंग किये जाने की आवश्यकता है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा भारत सरकार के https://ejalshakti.gov.in पोर्टल पेयजल गृह संयोजन फीड किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। योजनान्तर्गत प्रस्तावित कुल पेयजल गृह संयोजन 489659 नग के सापेक्ष उपलब्ध कराये गये कियाशील पेयजल गृह संयोजनों की संख्या– 127244 नग (25.99 प्रतिशत) प्रदर्शित हो रही है, जबकि माह अप्रैल, 2026 में 875 नग पेयजल गृह संयोजन तथा माह मई, 2026 में 19799 नग पेयजल गृह संयोजन तथा माह जून, 2026 में दिनांक 22.06.2026 तक 11312 नग पेयजल गृह संयोजन कुल 32017 नग भारत सरकार के https://ejalshakti.gov.in पोर्टल पर फीड किये जा चुके हैं, जिसे सम्मिलित करते हुये कुल प्रस्तावित पेयजल गृह संयोजन के सापेक्ष उपलब्ध कराये गये पेयजल गृह संयोजन 32.52 प्रतिशत है, परन्तु राज्य स्तर से स्वीकृति प्राप्त न होने के कारण https://ejalshakti.gov.in पोर्टल पर कियाशील पेयजल गृह संयोजन (FHTC) 127244 नग (25.99 प्रतिशत) की प्रगति प्रदर्शित हो रही है।

3. **जल जीवन मिशन योजना (फेज–4) के अन्तर्गत पाइप लाइन बिछाये जाने हेतु खोदी गयी सड़कों की पुनर्स्थापना के कार्यों की समीक्षाः**– अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि कार्यदायी फर्म द्वारा वर्तमान तक क्लस्टर–ए एवं बी के अन्तर्गत कुल बिछायी गयी पाइप लाइन हेतु काटी गयी सड़क एवं कार्य समाप्ति के उपरान्त पुनर्स्थापित की गयी सड़कों का विवरण निम्नानुसार हैः–

क्रम सं.	Cluster	प्रस्तावित पाइप लाइन (in KM)	बिछायी गयी पाइप लाइन (Pipe laying Length in KM)	रोड कटिंग (Road Cutting in KM)	सड़क पुनर्स्थापना (Road restoration in KM)	Balance Road Restoration (In KM)
1	2	3	4	5	6	7=(5-6)
1	Cluster-A	6862.56	3593.17	1203.55	1074.61	128.94
2	Cluster-B	5990.45	3404.93	1209.80	1103.71	106.09
	Total	12853.01	6998.10	2413.35	2178.32	235.03

उपरोक्त के सम्बन्ध में अधोहस्ताक्षरी को कार्यदायी फर्म के प्रतिनिधि श्री रवि कान्त द्विवेदी द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में पाइप लाइन बिछाये जाने के साथ अधिक से अधिक श्रमिकों को सड़क पुनर्स्थापना के कार्यों में लगा दिया गया है। वितरण प्रणाली बिछाये जाने के दौरान खोदी सड़कों को पाइप लाइन बिछाने के तुरन्त बाद मोटरेबल एवं पुनर्स्थापना का कार्य 30 दिनों में कराया जा रहा है जिससे सड़क पुनर्स्थापना से सम्बन्धित शिकायतों में कमी आयी है। जिसके सम्बन्ध में अधोहस्ताक्षरी द्वारा कार्यदायी फर्म के प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया कि सड़क पुनर्स्थापना की गुणवत्ता के साथ कार्य की प्रगति सुनिश्चित की जाये तथा दिनांक 29.06.2026 तक 14.69 किमी. सड़क पुनर्स्थापना हेतु लक्ष्य निर्धारित किया गया। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि यदि फर्म द्वारा सड़क

पुनर्स्थापना के कार्य को कराने में अनावश्यक विलम्ब किये जाने की दशा में कोई भी घटना–दुघर्टना घटित होती है तो उसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व फर्म का होगा।

साथ ही अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्देशित किया गया कि योजनान्तर्गत प्रस्तावित समस्त कार्यों को माह दिसम्बर, 2027 तक पूर्ण किये जाने हेतु आवश्यक 7196 श्रमिकों के सापेक्ष वर्तमान में डिप्टी टीम लीडर द्वारा अवगत कराया गया कि 795 श्रमिक कार्यरत है जिससे अधोहस्ताक्षरी द्वारा 04 सप्ताह में कार्यस्थलों पर तैनात करना सुनिश्चित करें जिस हेतु प्रत्येक सप्ताह अतिरिक्त 1000 श्रमिकों को कार्यस्थल पर लगाते हुये कमिक वृद्धि की जाये।

अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया इसी कम में कार्यदायी फर्म के प्रतिनिधि श्री रवि कान्त द्विवेदी को निर्देशित किया गया कि योजना से सम्बन्धित कार्यों की कार्ययोजना एवं प्रगति को इस प्रकार सुनियोजित कर लें कि निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराते हुये योजना को जनोपयोगी बनाया जा सके।

अन्त में बैठक सधन्यवाद सम्पन्न हुयी।

(विधेश)
अपर जिलाधिकारी,
नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग
उन्नाव।

कार्यालय जिलाधिकारी, उन्नाव

पत्रांकः– 2102 / WS-103 /274 दिनांक : 18.07.2026

प्रतिलिपि :–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. जिलाधिकारी महोदय, उन्नाव।
2. अधिशासी निदेशक, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन(नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग), किसान बाजार,प्रथम तल, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ।
3. मुख्य अभियन्ता (ल0क्षे0), उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
4. अधीक्षण अभियन्ता, मण्डल कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
5. अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), उन्नाव।
6. सहायक अभिलेख अधिकारी, उन्नाव।
7. डिप्टी टीम लीडर, सेन्सिस टेक्नो लि0 (टी.पी.आई.), उन्नाव।
8. मेसर्स मेघा इंजीनियर्स एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0, लखनऊ।

अपर जिलाधिकारी,
नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग
उन्नाव।